प्रारुप–1.5

परियोजना का नामः– खतेड़ा से सीणी मोटर मार्ग का निर्माण (लम्बाई 3.500 किमी0)

प्रस्तावित कार्य हेतु वनभूमि की मांग का पूर्ण औचित्य को दर्शाते हुए विस्तृत आख्या

उक्त प्रस्तावित मोटर खतेडा गांवों से होकर गुजरता है, जिनकी आबादी 168 है। यह मोटर मार्ग नौलड़ा खतेडा मोटर मार्ग के अन्तिम बिन्दु से प्रारम्भ होता है। प्रस्तावित मोटर मार्ग के निर्माण से ग्रामवासियों का यातायात की सुविधा प्राप्त होगी। मोटर मार्ग के निर्माण से सीमान्त दूरस्थ क्षेत्र में स्थित उक्त गांवों के कृषि पर आश्रित ग्रामीणों को अपने कृषि उत्पाद मुख्य बाजार डीडीहाट, थल, नाचनी एवं पिथौरागढ़ तक ले जाने की सुविधा प्राप्त होगी। जिससे ग्रामीणों को व्यवसायिक लाभ प्राप्त होगा तथा वर्तमान में गांव की महिलाओं को पानी, लकडी, चारा आदि लेने के लिए दूर जाती हैं। मार्ग निर्माण के पश्चात् उनका बहुमूल्य समय बचेगा साथ ही वे अपने घर और बच्चों को अधिक समय दे पायेंगी। जिससे बच्चों का लालन–पालन तथा पठन–पाठन के स्तर में सुधार होगा। मार्ग निर्माण से गावों में चिकित्सालय एवं विद्यालय खुलने के और नए अवसर मिलेंगे तथा गावों का विकास होगा। जिससे गावों से हो रहे पलायन को भी रोका जा सकेगा। उक्त मोटर मार्ग के निर्माण में ली जा रही वनभूमि न्यूनतम है तथा मार्ग का निर्माण किसी अन्य स्थान करने पर अधिक वनभूमि एवं अधिक वृक्षों का पातन होगा तथा भू–वैज्ञानिक द्वारा भी उक्त मोटर मार्ग के निर्माण हेतु अपनी संस्तुति दी गयी है।

उक्त प्रस्तावित मोटर मार्ग की लम्बाई 3.500 किमी0 एवं चौड़ाई 7.00 मी0 है। मार्ग के निर्माण में 2.450 हे0 व मक डिस्पोजल हेतु 0.438 हे0 कुल 2.888 हे0 राज्य भूमि अर्थात 2.888 हे0 वन भूमि प्रभावित होती है।

तुलनात्मक विवरण

क्र0 सं0	समरेखन नं0 1	समरेखन नं0 2
1	इस समरेखन में 57 विभिन्न प्रजाति के वृक्ष प्रभावित हो रहे हैं।	इस समरेखन में 68 विभिन्न प्रजाति के वृक्ष प्रभावित हो रहे हैं।
2	इस समरेखन में 2.888 हे0 वनभूमि ली जा रही है।	इस समरेखन में 3.238 हे0 वनभूमि आ रही है। जिसमें आरक्षित भूमि अधिक है।
3	इस मार्ग के निर्माण से सीमान्त के दूरस्थ गांवों से संतरा, केला तथा सब्जियों को सुलभता से बाजार तक लाया जा सकेगा, जिससें ग्रामवासियों को व्यवसायिक लाभ प्राप्त होगा।	इस मार्ग के बनने से माल्टा, लीची केला, आम तथा सब्जियों को सुलभता से बाजार तक लाया जा सकेगा, जिससें ग्रामवासियों को अच्छी कीमत मिल पायेगी।
4	इस मार्ग से अधिकतम आबादी जुडेगी जिससे गांवों से पलायन कम हो जायेगा।	इस मार्ग के बनने से गांव से पलायन कम हो जायेगा।
5	इस मार्ग के निर्माण से क्षेत्र में पर्यटन को बढावा मिलेगा, जिससे स्थानीय निवासियो को रोजगार प्राप्त होगा।	इस मार्ग के निर्माण से क्षेत्र में पर्यटन को बढावा मिलेगा, जिससे स्थानीय निवासियों को रोजगार प्राप्त होगा।
6	मार्ग का निर्माण उच्च हिमालयी क्षेत्र तक होने के कारण ग्रामवासियों को जड़ीबूटियों को बाजार तक ले जाने में सुविधा होगी।	मार्ग का निर्माण उच्च हिमालयी क्षेत्र तक होने के कारण ग्रामवासियों को जड़ीबूटियों को बाजार तक ले जाने में सुविधा होगी।
7	नाप भूमि का अधिकम उपयोग हुआ है।	नाप भूमि का कम उपयोग हुआ है।

प्रमोद सिंह कार्की
राजस्व उप निरीक्षक
क्षेत्र.....तह0.....
जिला– पिथौरागढ़

कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा0ख0, लो0नि0वि0
डीडीहाट

सहायक अभियन्ता,
प्रा0ख0 लो0नि0वि0
डीडीहाट

अधिशासी अभियन्ता
प्रा0ख0लो0नि0वि0
डीडीहाट

वन क्षेत्राधिकारी
डीडीहाट

उप जिलाधिकारी
मुनस्यारी(पिथौरागढ़)